कृषि विज्ञान केन्द्र

जापानी फार्म, कतीरा, भोजपुर, आरा,

(बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर, भागलपुर)

bhojpurkvk@gmail.com

09431091369

मौसम आधारित कृषि परामर्श

भोजपुर जिले के मौसम का पूर्वानुमान

मौसम कारक	10.04.2024	11.04.2024	12.04.2024	13.04.2024	14.04.2024
वर्षा (मि.मी.)	0.0	0.0	5.0	5.0	5.0
अधिकतम तापमान (से.)	39.0	39.0	38.0	37.0	36.0
न्यूनतम तापमान (से.)	23.0	23.0	22.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	50	55	55	50
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	25	25	30	30	25
हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	10	10	12	12	10
पवन दिशा (डिग्री)	270	270	260	260	280
क्लाउड कवर (ओक्टा)	3	3	8	8	8

मौसम सारांश / चेतावनी :

- भारत मौसम विज्ञान विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 11 से 13 अप्रैल के दौरान मेधगर्जन के साथ हल्की बूँदा बुादी होने का अनुमान है। अधिकतम तापमान में 36–39 डिग्री संटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 22–23 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की संभावना है।
- सापेक्षित आर्द्रता सुबह में 50 से 60 प्रतिशत तथा दोपहर में 20 से 30 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पुर्वानुमान की अवधी में 10–12 किमी/घंटा की रफतार से पछिया हवा चल सकती है।

सामान्य सलाह :

किसानों को सलाह दी जाती है कि पूर्वानुमान के आधार पर हल्की वर्षा बूंदा बांही की संभावना को देखते हुए पकी हुई गेहूँ फसल की कटनी एवं सरसों की कटनी तथा दौनी करते समय सावधानी बरतें।

लघु संदेश सलाह :

आगामी दिनों में वर्षा की संभावना के मध्यनजर खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें।

फसल विशिष्ट सलाह :

मूँग	गरमा मूंग तथा उरद की शीघ्र बुआई 10 अप्रैल से पहले सम्पन्न करें। बुआई के पूर्व 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फास्फोरस, 20 किलोग्राम पोटास तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विशाल, एच0यू0एम0–16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद–19, पंत उरद–31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बंआई के लिए अनुशंसित हैं। बुआई के दो दिन पूर्व बीज को कार्बेन्डाजीम 2.5 ग्राम प्रति किलो ग्राम की दर से शोधित करें। बुआई के ठीक पहले शोधित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर से उपचारित कर बुआई

	करें।
मक्का	तापमान में मक्का चारे के लिए प्रजाति अफरीकन टाल तथा लोबिया की बंआई के लिए अनुकूल है। बेबी कार्न की संकर किस्मों की बुआई के लिए मौसम साफ रहने पर करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह :

बैंगन	बैंगन में फल और तना छेदक के हमले के खिलाफ नियमित निगरानी की सलाह दी जाती है। यदि कीटों की संख्या ईटीएल से अधिक हो तो स्पिनोसेड 1.0 मिली प्रति 4 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। छिड़काव से पहले संक्रमित फलों और टहनियों को इकट्ठा करके नष्ट कर दें।
आम	वर्तमान में आम में मटर के दाने के बराबर की अवस्था हो गयी है, इस अवस्था में इमिडाक्लोरप्रीड (17.8 एस0एल0)/1 मि0ली0 दवा प्रति दो लीटर पानी में और हैक्साकोनाजोल 1 ग्राम / दो लीटर पानी या डाइनोकैप (46 ई0सी0) 1 मिली दवा प्रति 1 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव से मधुवा एवं चूर्णिल आसित की उग्रता में कमी आती है। प्लेनोफिक्स नामक दवा / 1 मिली प्रति 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से फल के गिरने में कमी आती है।

पशुपालन विशिष्ट सलाहः

गाय	पशुओं को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराएं और गर्मी से उनकी रक्षा के लिए उन्हें छायादार स्थान पर बांधें।